नं.-7,8 पर जडेजा और अश्विन जैसे बल्लेबाजों को होना भारत के लिए एक सच्चा वरदान है। जब भी प्रतिद्वंद्वी टीम सोचती है कि वे शीर्ष बल्लेबाजों को पवेलियन भेज चुके हैं, तभी उन्हें जडेजा और अश्विन से प्रतिरोध मिलता है। मैच में दोनों ने भारत की वापसी करायी है। - इरफान पठान

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, जडेजा और अश्विन की प्रशंसा की।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी **ऋषभ पंत**

चेन्नई के मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में ऋषभ पंत 39 रन की पारी खेलकर आउट हो गए। लेकिन इस दौरान उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। पंत भारत के लिए दूसरे ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 से ज्यादा रन बनाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इस लिस्ट में कई और खिलाड़ी भी हैं, लेकिन उनसे ज्यादा रन एक ही विकेटकीपर ने भारत के लिए बनाए हैं। वो एमएस धोनी हैं।भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज सबसे ज्यादा रन भारत के लिए बनाए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फीफा के इतालवी उपाध्यक्ष डॉ. ओटारियानो बैरासी ने विश्व कप ट्रॉफी को अपने पलंग के नीचे एक जूते के डिब्बे में छुपाए रखा।

संकट में फंसी भारतीय पारी को अश्विन और जडेजा का सहारा

अश्विन के शतक, जडेजा की मजबूत साझेदारी से भारत ने मैच में बनाई पकड़

तीसरे सत्र में विकेट को तरसे बांग्लादेशी गेंदबाज, भारत ने छह विकेट पर 339 रन बनाए

चेन्नई, 19 सितंबर। रविचन्द्रन अश्विन (नाबाद 102) के शतकीय प्रहार, रवींद्र जडेजा (नाबाद 86) और यशस्वी जायसवाल (56) रनों की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन छह विकेट पर 339 का स्कोर खड़ा कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली है।

आज दिन का खेल समाप्त होने के समय अश्विन (नाबाद 102) और जडेजा (नाबाद 86) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद रहे। अश्विन का टेस्ट कैरियर में यह छठा शतक है। दोनों भारतीय बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिये 195 रनों की साझेदारी कर भारत की लड़खड़ती पारी को संभाला। अश्विन ने अपने बल्ले से फिर कामल दिखाते हुए 112 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुये नाबाद 102 रनों की पारी खेली।

इससे पहले भोजनकाल के बाद फिर बांग्लादेश के गेंदबाज हसन महमूद ने यशस्वी जयसवाल और ऋषभ पंत के बीच बढ़ रही साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने पंत को विकेट के पीछे लिटन के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद नाहिद राणा ने यशस्वी जयसवाल को शादमन के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ा झटका दिया। जयसवाल-पंत की जोड़ी टूटी तो एक समय लगा कि राहुल, जायसवाल के साथ मिलकर पारी को संभाल लेंगे, लेकिन वह भी पांव जमाने के बाद चलते बने। ऋषभ पंत (39) यशस्वी जयसवाल (56) और केएल राहुल (16) रन बनाकर आउट हुए।

आज यहां एम चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शान्तो ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और 14 के स्कोर पर कप्तान रोहित शर्मा (छह) को हसन महमूद ने पवेलियन भेज दिया। उसके बाद शुभमन गिल (शून्य), विराट कोहली (छह) को भी हसन महमूद ने आउट किया। एक समय 34 के स्कोर पर तीन विकेट गवांने के बाद संकट में फंसी भारतीय पारी को यशस्वी जयसवाल और ऋषभ पंत ने संभालने का प्रयास किया। सुबह के सत्र में लंच तक भारत ने 23 ओवर में तीन विकेट पर 88 रन बनाये लिये थे। बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने चार विकेट लिये तथा नाहिद राणा और मेहदी हसन मिराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अश्विन ने फिर मुश्किल परिस्थिति में जड़ा शतक

चेन्नई, 19 सितंबर। रविचंद्रन अश्विन ने गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच में अपने टेस्ट करियर का छठा शतक जड़ आलोचको को अपने बल्ले से जवाब देते हुए साबित कर दिया कि वह ऑलराउंडर हैं। अश्विन ऐसे समय बल्लेबाजी करने आये जब भारत 144 के स्कोर पर छह विकेट गवांकर संकट में था। इस दौरान उन्होंने तेजी से रन बटोरते हुए अपना टेस्ट करियर का छठा शतक महज 108 गेंदों में जड़ दिया। अश्विन से साबित कर दिया कि वह कुशल गेंदबाज ही नहीं एक बेहतरीन बल्लेबाज भी है और वह बल्लेबाजी का दमखम भी रखते हैं। अश्विन ने अपने घरेलू मैदान पर यह शतक बनाया है। यह बांग्लादेश के खिलाफ उनका पहला टेस्ट शतक है। उन्होंने भारतीय जमीं पर चार शतक बनाये है। जबकि दो अन्य शतक विदेशी जमीं पर बनाये हैं। अश्विन ने इस शतक से पहले टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ शतक बनाया तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ चार शतक लगा चुके है। अश्विन एकमात्र विश्व के ऐसे बल्लेबाज है जिन्होंने टेस्ट में छह शतक लगाये और 500 से अधिक विकेट ले चुके हैं। उन्होंने इस मैच में 58 गेंदों में अर्धशतक तथा 108 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। अश्विन ने अपनी इस शतकीय पारी में दो छक्के और 10 चौके लगाए।

शाश्वत रावत का शतक से इंडिया-ए ने मैच में बनाई पकड़

अनंतपुर, 19 सितंबर। शाश्वत रावत (नाबाद 122) की शतकीय पारी के दम पर इंडिया ने अंशुल काम्बोज के झटको के बीच वापसी करते हुए गुरुवार को दलीप ट्रॉफी के छठे मुकाबले में अपनी पकड़ बना ली है। आज यहां टॉस जीतकर इंडिया सी ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया ए की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने अंशुल काम्बोज और विजयकुमार वैशाख की घातक गेंदबाजी के आगे घुटने टेक दिये। एक समय इंडिया ए का स्कोर पांच विकेट पर 36 रन था। प्रथम सिंह (6), मयंक अग्रवाल (6), तिलक वर्मा (5), रियान पराग (2) और कुमार कुशाग्र (शून्य) पर आउट हुए। ऐसे संकट के समय शाश्वत रावत और शम्स मुलानी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिये 87 रनों की साझेदारी हुई। गौरव यादव ने शम्स मुलानी (44) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद तनुष कोटियान (10) रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

चार बल्लेबाजों के अर्द्धशतक के कारण इंडिया-डी बड़े स्कोर की ओर, 5 विकेट पर 306 रन बनाए

अनंतपुर, 19 सितंबर। संजू सैमसन (नाबाद 89), देवदत्त पड़िक्कल (50), श्रीकर भरत (52) और रिकी भुई (56) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत इंडिया डी ने गुरुवार को दलीप ट्रॉफी के पाचवें मुकाबले में पांच विकेट पर 306 रन के साथ बड़े स्कोर की ओर कदम बढ़ा दिया है। आज यहां इंडिया बी ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया डी के देवदत्त पड़िक्कल और श्रीकर भरत की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 105 रन जोड़े। नवदीप सैनी देवदत्त पडिक्कल (50) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद मुकेश कुमार ने श्रीकर भरत (52) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। रिकी भुई ने निशांत सिंधु के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। राहुल चाहर ने निशांत सिंधु (19) को आउट कर इंडिया डी को तीसरा झटका दिया। कप्तान श्रेयस अय्यर (शून्य) और रिकी भुई (56) रन बनाकर आउट हुये। आज दिन का खेल समाप्त होने पर इंडिया डी ने पांच विकेट पर 306 रन बना लिये है और संजू सैमसन (नाबाद 89) और सारांश जैन (नाबाद 26) क्रीज पर मौजूद थे।

पाकिस्तान की महिला टीम ने टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 13 रन से हराया

मुलतान, 19 सितंबर। मुनीबा अली (45) और कप्तान फातिमा सना (नाबाद 37) रनों की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान की महिला टीम ने बुधवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 13 रनों से मात दी है। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली है। आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मुनीबा अली 34 गेंदों में (45), कप्तान फातिमा सना 23 गेंदों में (नाबाद 37), निदा डार 21 गेंदों में (29), सिदरा अमीन 25 गेंदों में (28) और आलिया रियाज सात गेंदों में (नाबाद 17) रनों की पारियों के योगदान से निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 181 का स्कोर खड़ा किया था। दक्षिण अफ्रीका की ओर से टुमी सेखुखुने ने दो विकेट लिये। सुने लूस और अनरी डर्कसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तेजमिन ब्रिट्स (नौ) के रूप में अपना पहला विकेट गवां दिया। लॉरा वुलफार्ट 25 गेंदों में (36), अन्नेका बोश (24) और नडीन डी क्लर्क (12) रन बनाकर आउट हुई। सुने लूस की 29 गेंदों में (नाबाद 53) रनों की अद्धर्शतकीय पारी बेकार गई। क्लोई ट्राइऑन 16 गेंदों में (नाबाद 30) रनों पारी बेकार गई और वे अपनी टीम को 13 रनों की हार से नहीं बचा सके। दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 168 रन ही बना सकी। पाकिस्तान की ओर से सादिया इकबाल और नश्रा संधू ने दो-दो विकेट लिये।

विलियम्सन और लैथम की फिफ्टी, ओरूर्क को 5 विकेट

दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने 255/4 रन बनाए, श्रीलंका 50 रन से आगे

गाले, 19 सितम्बर। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच गाले में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा है। मुकाबले के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 4 विकेट खोकर 255 रन बना लिए। टीम से केन विलियमसन ने 55 और टॉम लैथम ने 70 रन बनाए। श्रीलंका पहली पारी में 305 रन बनाकर ही सिमट गया था। टीम से कमिंडु मेंडिस ने 114 रन बनाए। न्यूजीलैंड से पहली पारी में तेज गेंदबाज विलियम ओरूर्क ने 55 रन देकर 5 विकेट लिए।

श्रीलंका ने दूसरे दिन 302/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम से रमेश मेंडिस ने 14 और प्रबाथ जयसूर्या ने 0 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। ओरूर्क ने 2 और एजाज पटेल ने एक विकेट लेकर श्रीलंका को ऑलआउट कर दिया। टीम अपने स्कोर में 3 रन ही जोड़ सकी। पहली पारी में न्यूजीलैंड से ओरूर्क के अलावा एजाज पटेल और ग्लेन फिलिप्स ने 2 विकेट लिए। जबकि टिम साउदी को एक सफलता मिली।

मिचेल सैंटनर और रचिन रवींद्र को कोई विकेट नहीं मिला। न्यूजीलैंड ने पहले ही सेशन में अपनी पारी शुरू कर दी। टीम से डेवोन कॉन्वे और टॉम लैथम ने फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। कॉन्वे 17 रन बनाकर आउट हुए। यहां से लैथम ने केन विलियमसन के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम को 100 के पार पहुंचाया। लैथम 70 रन बनाकर आउट हुए। रचिन रवींद्र ने फिर विलमयमसन का साथ दिया और फिफ्टी पार्टनरशिप की, इस बार विलियमसन 55 रन बनाकर आउट हो गए। रचिन भी फिर 39 रन ही बना सके।

निशानेबाजी मेरी प्राथमिकता, देश के लिये अधिक से अधिक पदक जीतना चाहती हूं : भाकर

नयी दिल्ली, 19 सितंबर। पेरिस ओलंपिक पदक विजेता भारतीय स्टार महिला निशानेबाज मनु भास्कर ने कहा कि निशानेबाजी मेरी प्राथमिकता है और मैं देश के लिए अधिक से अधिक पदक जीतना चाहती हूं। मनु भाकर ने आज यहां एनडीटीवी युवा कॉन्क्लेव कार्यक्रम में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा, मेरे जीवन का प्यार निशानेबाजी है और मैं जितना संभव हो निशानेबाजी करना चाहती हूँ और भारत के लिए अधिक से अधिक पदक जीतना चाहती हूँ। मुझे सजना-संवरना और दूसरी चीजे भी पसंद हैं, लेकिन निशानेबाजी मेरी प्राथमिकता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह एक दिन के लिए किसी एक एथलीट के साथ अपनी जिंदगी बदलना चाहेंगी, तो मनु ने कहा, ईमानदारी से कहूँ तो मैं किसी के साथ अपनी जिदगी बदलना नहीं चाहूँगी।

चाहे बुरा ही वक़्त चल रहा हो, मैं ऐसा नहीं करना चाहूँगी। गुस्से से निपटने के बारे में उन्होंने कहा, मुझे भी गुस्सा आता है। लेकिन मैंने अपने गुस्से को सकारात्मक रूप में बदलना सीख लिया है। एक खिलाड़ी के लिए यह वाकई बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, जब भी कोई खिलाड़ी करियर की शुरुआत करता है, तो उसका सबसे बड़ा लक्ष्य ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना ही होता है। हर खिलाड़ी चाहता है कि वह पदक जीते और पोडियम पर खड़ा हो और मेरे मामले में भी कुछ ऐसा ही था। टोक्यो में पदक नहीं आया, पता नहीं इस बार कैसा होगा।

मोहन बागान और रावशन कुलोब के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा

मैच गोल रहित ड्रॉ रहने पर दोनों टीमों में अंक बांट दिये

मुम्बई, 19 सितंबर। एएफसी चैंपियंस लीग दो में भारतीय फुटबॉल क्लब मोहन बागान सुपर जायंटस और तजाकिस्तान के फुटबॉल क्लब रावशन कुलोब के बीच खेला गया मुकाबला गोल रहित ड्रा रहा। बुधवार रात यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में एएफसी चैंपियंस लीग 2 के ग्रुप ए में मोहन बागान और रावशन कुलोब के खेला गया रोमांचक मुकाबला गोल रहित ड्रा रहा। मैच के दौरान दोनों टीमों के पास गोल करने मौके थे, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठाने में विफल रहे। मोहन बागान ने शानदार शुरुआत करते हुए कुलोब टीम पर दबाव बनाते हुए उसे रक्षात्मक खेल के लिय मजबूर किया। 19वें मिनट में, दिमित्री पेट्राटोस ने गोल करने का शानदार प्रयास किया लेकिन कुलोब की रक्षापंक्ति ने उसे रोक दिया। 28वें मिनट में कुलोब के कोजो मैटिक ने बागान के डिफेंस के ऊपर से गेंद निकाली जिस पर मुहम्मदजोन रहीमोव को शॉट लगाया लेकिन बागान के सतर्क गोलकीपर विशाल कैथ ने रहीमोव के प्रयास को विफल कर दिया। 29वें मिनट में बागान के आशीष राय को पीला कार्ड दिखाया गया। इसके बाद 76वें मिनट और 88वें मिनट में गोल के मौके बने। आखिर में मैच गोल रहित ड्रा रहने पर दोनों टीमों में अंक बांट दिये गये।

बुरे आचरण के कारण दिलीप समरवीरा पर लगा 20 साल का प्रतिबंध

ऑस्ट्रेलिया, 19 सितम्बर। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी दिलीप समरवीरा पर 20 साल का प्रतिबंध लगाया है। दरअसल, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओस रे दलीप समरवीरा के आचरण को बेहद निंदनीय करार दिया गया है। इस दौरान उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, राज्य क्रिकेट के शंघों बीबीएल या डब्ल्यूबीबीएल के क्लबों में कोई भी पद नहीं होगा। 52 साल के दिलीप समरवीरा को क्रिकेट विक्टोरिया के कर्चमारी के रूप में सीए की आचार संहिता का गंभीर उल्लघंन करते हुए पाया गया था। सीए के आचार संहिता आयोग्य की ओर से उनके आचरण के बारे में शिकायत की गई है। इसके बाद क्रकेट ऑस्ट्रेलिया के इंटीग्रिटी विभाग की जांच पर 20 साल का प्रतिबंध लगाय गया। बता दें कि, दिलीप समरवीरा ने 1993 से 1995 के बीच श्रीलंका के खिला सात ट्रेट और पांच वनडे मैच खेले थे। वह लंबे समय तक विक्टोरिया महिला और वूमिंस बिग बैश लीग मेलबर्न स्टार्क के सहायक कोच थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें इस साल की शुरुआत में विक्टोरिया महिला टीम के सीनियर कोच की भूमिका में प्रमोट किया जाना था, लेकिन प्रांत की नीतियों के कारण उनहें नियुक्ति देने से मना कर दिया। इसके बाद उन्हें इस पद पर काम करने के दो सप्ताह बाद ही इस्तीफा देना पड़ा था।

भारत चेस ओलिंपियाड की दोनों कैटेगरी में टॉप पर

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। फिडे चेस ओलिंपियाड 2024 में भारत सात राउंड पूरा होने के बाद ओपन और विमेंस दोनों कैटेगरी में 14 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। बुधबार को सातवें राउंड में ओपन कैटेगरी में 4 मैच खेले गए। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने चीन के वेई यी पर शानदार जीत हासिल की। उनकी इस जीत की बदौलत भारत ने चीन को 2.5-1.5 से हराया। वहीं तीन मैच ड्रॉ रहें। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में खेले जा रहे टूर्नामेंट में चार राउंड खेलने बाकी हैं। टूर्नामेंट का 11वां और फाइनल राउंड 22 सितंबर को खेला जाएगा। वहीं, भारतीय विमेन टीम बुधवार को 45वें चेस ओलिंपियाड में जॉर्जिया पर 3-1 की शानदार जीत के साथ अपना जीत का अभियान जारी रखा है। चार मैचों में ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने लेला जावाखिशविली और वंतिका अग्रवाल ने बेला खोतेनाश्विली को हराया।

मालविका चाइना ओपन में किर्स्टी गिल्मर को हराकर क्वार्टरफाइनल में

नेहवाल और सिंधु के बाद बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली मालविका चाइना पहली भारतीय महिला एकल शटलर बनी

चांगझोऊ, 19 सितंबर। भारतीय शटलर मालविका बंसोड़ ने गुरुवार को चाइना ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल में स्कॉटलैंड की किर्स्टी गिल्मर को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली हैं। आज यहां एक घंटा और पांच मिनट तक चले मुकाबले में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने दूसरे राउंड में दो बार की राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता स्कॉटलैंड की किर्स्टी गिल्मर को 21-17, 19-21,21-16 से हराया। इस जीत के साथ, वह साइना नेहवाल और पीवी सिंधु के बाद बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला एकल शटलर बन गई हैं। पहले गेम में स्कॉटलैंड की खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की और बढ़त को बरकरार रखते हुए स्कोर को 11-5 से अपने हक में कर लिया था लेकिन इसके बाद मालविका ने गेम में वापसी करते हुए लगातार अंक हासिल करते हुए पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई और एक बार फिर गिल्मर ने बढ़त हासिल की और दूसरे गेम में 21-19 से जीत दर्ज कर मैच को तीसरे और निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। निर्णायक गेम की शुरुआत से बंसोड़ गिल्मर पर हावी रही और 10-2 से बड़ी बढ़त हासिल कर ली। गिल्मर इस गेम को जीतने का पूरा प्रयास रही थीं और स्कोर को 20-16 तक पहुंचा दिया, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली और बंसोड़ मैच जीतने में कामयाब रहीं।

पहले राउंड में बसोड़ ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग को सीधे गेम में हराया था। पांच मैचों में गिल्मर पर अपनी तीसरी जीत हासिल करने के बाद मालविका ने कहा, यह निश्चित रूप से मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। कल मैंने ग्रेगोरिया के खिलाफ जीत हासिल की। यह पहली बार है जब मैं सुपर 1000 में क्वार्टरफाइनल खेलूंगी, इसलिए यह एक सपना सच होने जैसा है, मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मालविका क्वार्टरफाइनल में दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से मुकाबला करेंगी। भारतीय शटलर ने कहा, यह उनके (यामागुची) साथ तीसरी बार है। मैं सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद करूंगी। मैं अच्छी फॉर्म में हूं, इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी। दूसरे मैच में मेरा मुकाबला काफी करीबी रहा था, मैं 25-23, 21-19 से हार गई थी, इसलिए मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद है।

बांग्लादेश के खिलाफ फ्लॉप साबित हुए विराट

पिछली पांच पारियों में नहीं चला कोहली का बल्ला

चेन्नई, 19 सितंबर। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में सस्ते में पवेलियन लौट गए। चेन्नई में खेले जा रहे मुकाबले में हसन महमूद ने उन्हें आउट किया। विराट कोहली ऑफ स्टंप के काफी बाहर जाती गेंद पर अपना बल्ला लगा बैठे और गेंद बैट का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में समा गई। कोहली करीब 8 महीने बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं लेकिन पहली पारी में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। विराट कोहली का 2022 के बाद से बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ पिछली बांच पारियों में कोहली के बल्ले से ज्यादा रन नहीं निकले हैं और तीन बार वह सिंगल डिजिट पर ही आउट हो गए हैं। पिछली पांच पारियों में विराट कोहली ने सिर्फ 51 रन बनाए हैं। विराट कोहली ने टेस्ट में आखिरी अर्धशतक साउथ अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर 2023 में लगाया था। विराट कोहली (6) का मैदान में उतरने पर तालियों की गड़बड़ाहट से स्वागत हुआ लेकिन वह भी टिक नहीं सके। महमूद ने ऑफ स्टम्प से बाहर गेंद डाली जिस पर बल्ला अड़ाने का खामियाजा विराट ने भुगतान और विकेट के पीछे लिटन ने कैच लपक लिया।